Institution's Innovation Council (IIC)

R & D Awareness and Capacity Building

Annual Research Conclave/ Symposium
(Quarter-III)

Activity Report

1. **Title of the Activity**: Annual Research Conclave / Symposium
2. **Activity Type**: Self-Driven Activity (Research, Patents & Innovation Promotion Activity)
3. **Theme of the Activity:** Promotion of Research, Innovation and Interdisciplinary Academic Excellence
4. **Date**:21 May 2026
   Time: 10:30 AM
   Venue: Seminar Hall, Janta College, Bakewar, Etawah
5. **Organized By**: Institution's Innovation Council (IIC), Department of Chemistry and R&D Cell, Janta College, Bakewar, Etawah
6. **Objective of the Activity**: The objective of the symposium was to promote research culture, innovation, interdisciplinary collaboration, and academic excellence among faculty members by providing a platform for presentation of research papers, projects, and innovative ideas.
7. **Description of the Activity:** An "Annual Research Conclave / Symposium" was organized successfully in the Seminar Hall of Janta College, Bakewar under the joint aegis of Institution's Innovation Council (IIC), Department of Chemistry, and R&D Cell. The programme aimed to encourage faculty members to present their ongoing research work, innovative ideas, publications, and academic projects. The programme was chaired by Acting Principal Prof. (Dr.) Ashok Kumar Pandey. In his presidential address, he emphasized the importance of research and innovation in higher education institutions and motivated faculty members to actively participate in quality research and interdisciplinary academic activities. During the symposium, faculty members from different departments presented their research papers and project works. **Prof. (Dr.) Lalit Gupta, Head of the Department of Zoology**, presented a research paper entitled "Investigation of Antimicrobial Properties of Vitex Nirgundo and Cannabis Sativa." He explained the medicinal importance and antimicrobial applications of herbal plants in scientific research. **Dr. Naveen Awasthi, Assistant Professor, Department of Chemistry and Convener, IIC**, presented his research work entitled "Physicochemical Properties of Liquid Mixtures at Different Temperatures." During the project presentation, he also shared information regarding nearly 10 research papers published in national and international journals. He discussed the industrial and scientific significance of physicochemical studies of liquid mixtures. **Prof. (Dr.) Ashok Kumar Pandey from the Department of Horticulture** presented his project work related to proper storage and management of fruits and vegetables. He highlighted modern storage technologies and quality management practices in horticulture. **Shri Gopi Nath Maurya from the Department of Commerce**

presented a research project on "Consumer Behaviour Towards Online Shopping in Etawah." He discussed changing consumer trends and the growing impact of e-commerce in modern society**. Dr. Divyansh Pandey from the Department of Mathematics** presented his research paper entitled "Approximate Method for Financial Optimal Control Problems." He explained the role of mathematical modeling and approximation techniques in solving financial optimization problems. Participants actively interacted with presenters and discussed various aspects of research, innovation, and practical applications. The symposium witnessed enthusiastic participation from faculty members and researchers.

8. **Number of Participants**: Total Participants: 47
9. **Faculty Members Present**

- Prof. (Dr.) Ashok Kumar Pandey
- Prof. (Dr.) P.K Rajput
- Prof. (Dr.) Lalit Gupta
- Dr. Naveen Awasthi
- Dr. Aditya Kumar
- Dr. Manoj Kumar Yadav
- Dr. S. K. Vishwakarma
- Dr. Anand Singh
- Mr. G.N Maurya
- Dr. Divyansh Pandey
- Shri Lokendra Pratap Singh
- Shri Satyam Gupta

10. Learning Outcomes

- Faculty members received an opportunity to share their research achievements and innovative ideas.
- The programme promoted interdisciplinary research interaction among departments.
- Participants gained knowledge about current research trends and practical applications.
- The activity motivated faculty members towards publication, innovation, and project development.

11. **Impact Analysis**: The symposium strengthened the institutional research ecosystem and encouraged faculty members to undertake quality research, publications, and innovation-oriented academic activities. It also enhanced awareness regarding interdisciplinary collaboration and practical research applications.
12. **SDG Mapping**

    SDG 4: Quality Education

    SDG 9: Industry, Innovation and Infrastructure
13. **Outcome of the Activity**: The programme successfully promoted research culture and innovation among faculty members and created a research-oriented academic environment in the institution.

Photographs

You Tube Link

https://www.youtube.com/watch?v=DRpe1HznwDE

Media coverage

जनता कॉलेज, बकेवर में वार्षिक शोध संगोष्ठी/सिम्पोजियम का आयोजन संपन्न

बकेवर, इटावा। जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा के संस्थागत नवाचार परिषद (IIC), रसायन विज्ञान विभाग एवं आर एंड डी सेल के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में "वार्षिक शोध संगोष्ठी/सिम्पोजियम" का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालय में शोध एवं नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित करना तथा शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं को अपने शोध कार्यों, नवाचारों एवं प्रोजेक्ट्स को प्रस्तुत करने हेतु एक प्रभावी मंच प्रदान करना था।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार पांडे ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता शोध एवं नवाचार पर आधारित होती है। उन्होंने कहा कि शोध गतिविधियाँ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की वैज्ञानिक सोच को विकसित करती हैं तथा समाजोपयोगी नवाचारों को बढ़ावा देती हैं।संगोष्ठी में विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों ने अपने शोध पत्र एवं प्रोजेक्ट कार्य प्रस्तुत किए। जूलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) ललित गुप्ता ने "विटेक्स निर्गुंडो और कैनाबिस सैटिवा के रोगाणुरोधी गुणों की जाँच" विषय पर आधारित अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने औषधीय पौधों के रोगाणुरोधी गुणों तथा उनके वैज्ञानिक उपयोग पर विस्तार से चर्चा की।रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं IIC संयोजक डॉ. नवीन अवस्थी ने "विभिन्न तापमानों पर द्रव मिश्रणों के भौतिक-रासायनिक गुण" विषय पर आधारित अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि द्रव मिश्रणों के भौतिक एवं रासायनिक गुणों का अध्ययन औद्योगिक एवं वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रोजेक्ट कार्य के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित लगभग 10 शोध पत्रों की जानकारी प्रस्तुत की।हॉर्टिकल्चर विभाग के प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार पांडे ने फलों एवं सब्जियों के उचित भंडारण एवं प्रबंधन पर आधारित अपने प्रोजेक्ट कार्य को प्रस्तुत किया। उन्होंने आधुनिक भंडारण तकनीकों, प्रसंस्करण एवं कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।कॉमर्स विभाग के श्री गोपीनाथ मौर्य ने "इटावा में ऑनलाइन शॉपिंग के प्रति उपभोक्ता व्यवहार" विषय पर आधारित अपना शोध प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। उन्होंने डिजिटल युग में उपभोक्ताओं की बदलती खरीदारी प्रवृत्तियों एवं ई-कॉमर्स के प्रभाव का विश्लेषण किया।गणित विभाग के डॉ. दिव्यांश पांडे ने "वित्तीय इष्टतम नियंत्रण समस्याओं के लिए सन्निकट विधि" विषय पर आधारित अपने शोध पत्र पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने गणितीय मॉडलिंग एवं वित्तीय समस्याओं के समाधान में सन्निकट विधियों की उपयोगिता को सरल एवं वैज्ञानिक तरीके से प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने शोध विषयों पर प्रश्न पूछे तथा विभिन्न शोध कार्यों पर विचार-विमर्श किया। संगोष्ठी में कुल 47 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. मनोज यादव, श्री लोकेंद्र प्रताप सिंह एवं श्री सत्यम गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं IIC संयोजक डॉ. नवीन अवस्थी द्वारा किया गया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों एवं प्राध्यापकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय भविष्य में भी शोध, नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।यह संगोष्ठी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं शोधोन्मुख वातावरण प्रदान करने वाली सिद्ध हुई।

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com

इटावा/औरैया

@ चेतना

कानपुर, शुक्रवार 22 मई,

जनता कालेज में शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुआ कार्यक्रम

चेतना ब्यूरो कार्यालय

बकेवर, इटावा। जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा के संस्थागत नवाचार परिषद (क्क्ठ), रसायन विज्ञान विभाग एवं आर एंड डी सेल के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में द्विवार्षिक शोध संगोष्ठी/सिम्पोजियमह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालय में शोध एवं नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित करना तथा शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं को अपने शोध कार्यों, नवाचारों एवं प्रोजेक्ट्स को प्रस्तुत करने हेतु एक प्रभावी मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार पांडे ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता शोध एवं नवाचार पर आधारित होती है। उन्होंने कहा कि शोध गतिविधियां विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की वैज्ञानिक सोच को विकसित करती हैं तथा समाजोपयोगी नवाचारों को बढ़ावा देती हैं। संगोष्ठी में विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों ने अपने शोध पत्र एवं प्रोजेक्ट कार्य प्रस्तुत किए।

जूलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) ललित गुप्ता ने विटेक्स निर्गुंडो और कैजाबिस सैटिवा के रोगाणुरोधी गुणों की जाँचह विषय पर आधारित अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने औषधीय पौधों के रोगाणुरोधी गुणों तथा उनके वैज्ञानिक उपयोग पर विस्तार से चर्चा की। रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं क्क्ठ संयोजक डॉ. नवीन अवस्थी ने ह्विभिन्न तापमानों पर द्रव मिश्रणों के भौतिक-रासायनिक गुणह विषय पर आधारित अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि द्रव मिश्रणों के भौतिक एवं रासायनिक गुणों का अध्ययन औद्योगिक एवं वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रोजेक्ट कार्य के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित लगभग 10 शोध पत्रों की जानकारी प्रस्तुत की। हॉर्टिकल्चर विभाग के प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार पांडे ने फलों एवं सब्जियों के उचित भंडारण एवं प्रबंधन पर आधारित अपने प्रोजेक्ट कार्य को प्रस्तुत किया। उन्होंने आधुनिक भंडारण तकनीकों, प्रसंस्करण एवं कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कॉमर्स विभाग के श्री गोपीनाथ मौर्य ने ह्वइटावा में ऑनलाइन शॉपिंग के प्रति उपभोक्ता व्यवहारह विषय पर आधारित अपना शोध प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। उन्होंने डिजिटल युग में उपभोक्ताओं की बदलती खरीदारी प्रवृत्तियों एवं ई-कॉमर्स के प्रभाव का विश्लेषण किया। गणित विभाग के डॉ. दिव्यांश पांडे ने ह्ववित्तीय इष्टतम नियंत्रण समस्याओं के लिए सन्निकट विधि विषय पर आधारित अपने शोध पत्र पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने गणितीय मॉडलिंग एवं वित्तीय समस्याओं के समाधान में सन्निकट विधियों की उपयोगिता को सरल एवं वैज्ञानिक तरीके से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने शोध विषयों पर प्रश्न पूछे तथा विभिन्न शोध कार्यों पर विचार-विमर्श किया। संगोष्ठी में कुल 47 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. मनोज यादव, श्री लोकेंद्र प्रताप सिंह एवं श्री सत्यम गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं क्क्ठ संयोजक डॉ. नवीन अवस्थी द्वारा किया गया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों एवं प्राध्यापकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय भविष्य में भी शोध, नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। यह संगोष्ठी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं शोधोन्मुख वातावरण प्रदान करने वाली सिद्ध हुई।

ग्राम पंचायत चांदई में वर्षों से बंद पड़े नाले की हुई सफाई ग्रामीणों में खुशी

चकरनगर। चम्बल घाटी परिक्षेत्र की ग्राम पंचायत चांदई में लंबे समय से बंद पड़े नाले की सफाई का कार्य गुरुवार को सफलतापूर्वक कराया गया। यह अभियान ग्राम पंचायत सचिव आलोक चौहान एवं ग्राम प्रधान विपिन सिंह के संरक्षण में संपन्न हुआ। नाले के जाम होने से गांव में जलभराव और गंदगी की समस्या बनी हुई थी, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। सफाई कार्य सहायक विकास अधिकारी (एडीओ) पंचायत चकरनगर श्याम चरन के मार्गदर्शन एवं खंड विकास अधिकारी यदुवीर सिंह के निर्देशन में कराया गया। अभियान के दौरान नाले में जमा गाद, प्लास्टिक और कचरे को हटाकर जल निकासी व्यवस्था को सुचारू किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात में नाले की वजह से हालात और खराब हो जाते थे। ग्राम पंचायत सचिव आलोक चौहान ने कहा कि गांव की स्वच्छता उनकी प्राथमिकता है, जबकि ग्राम प्रधान विपिन सिंह ने भविष्य में भी ऐसे कार्य जारी रखने की बात कही। ग्रामीणों ने प्रशासन और पंचायत टीम का आभार व्यक्त किया।

जनपद में धर्म के नाम पर चल धंधा, बुद्धिजीवियों ने लगाया

○ चंदा से कार्यक्रम की होती है रस्म अ अमावस की रात की तरह गायब हो

चेतना ब्यूरो कार्यालय

औरैया। जनपद में धर्म के साथ विभिन्न कार्यक्रमों समाज सेवी कार्यों के नाम पर भी अक्सर बड़े पैमाने पर चंदा इकट्ठा किए जाने के बावजूद इस चंदा के धंधा में लगे तथाकथित धंधेबाजों की कार्यशैली और उनकी नियत पर प्रश्न चिन्ह लगने लगा है। क्षेत्रीय जागरूक लोगों का कहना है कि चंदा के नाम पर धंधा चमकाने वाले तमाम तथाकथित लोगों द्वारा रजिस्टर्ड समितियां भी बना ली गई है वहीं कुछ तथाकथित लोग बिना रजिस्ट्रेशन के ही चंदे के धंधे में लगे हुए नजर आ रहे। कार्यक्रम संपन्न कराने की रस्म अदायगी के बाद अमावस की रात की तरह गायब हो जाता शेष बचा चंदा। यूं तो बिधूना क्षेत्र में तमाम गोरखधंधे चल रहे हैं वहीं दूसरी ओर अब विभिन्न धार्मिक आयोजनों समाजसेवी कार्यों के साथ अन्य तमाम कार्यक्रमों के नाम पर चंदा वसूलने का धंधा तेजी पकड़ता नजर आ रहा है। तमाम तथाकथित चंदे के धंधे वालों द्वारा रौब में चंदा वसूलने के लिए विभिन्न समितियां भी रजिस्टर्ड करा ली गई है ताकि कोई उन पर उंगलियां ना उठा सके वहीं तमाम चंदा एकत्र करने वाले तथाकथित लोग ऐसे भी हैं जिनकी रजिस्टर्ड समितियां भी नहीं है लेकिन वह भी अक्सर विभिन्न कार्यक्रमों के नाम पर चंदा वसूलते देखे जाते हैं। क्षेत्रीय बुद्धिजीवियों का कहना है कि विभिन्न कार्यक्रमों के नाम पर तरह-तरह से दबाव बनाकर चंदा तो वसूल कर लिया जाता है लेकिन कार्यक्रम के नाम पर सिर्फ रस्म अदायगी कर दी जाती है और कार्यक्रम संपन्न होने के बाद वसूले गए चंदे में कितनी धनराशि शेष बची कितनी खर्च हुई इसका कभी कोई स्पष्ट सार्वजनिक रूप से खुलासा नहीं किया जाता है जिससे अब कार्यक्रमों के नाम पर चंदा वसूलने वालों की नियत पर प्रश्नचिन्ह लगना स्वाभाविक

जनता कॉलेज में वार्षिक शोध संगोष्ठी, विद्वानों ने प्रस्तुत किए शोध पत्र

स्पष्ट आवाज

बकेवर, इटावा। जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा के संस्थागत नवाचार परिषद (IIC),रसायन विज्ञान विभाग एवं आर एंड डी सेल के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में "वार्षिक शोध संगोष्ठी/ सिम्पोजियम"का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालय में शोध एवं नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित करना तथा शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं को अपने शोध कार्यों,नवाचारों एवं प्रोजेक्ट्स को प्रस्तुत करने हेतु एक प्रभावी मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार पांडे ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता शोध एवं नवाचार पर आधारित होती है। उन्होंने कहा कि शोध गतिविधियाँ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की वैज्ञानिक सोच को विकसित करती हैं। तथा समाजोपयोगी नवाचारों को बढ़ावा देती हैं। संगोष्ठी में विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों ने अपने शोध पत्र एवं प्रोजेक्ट कार्य प्रस्तुत किए। जूलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) ललित गुप्ता ने "विटेक्स निर्गुंडो और कैनाबिस सैटिवा के रोगाणुरोधी गुणों की जाँच" विषय पर आधारित अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने औषधीय पौधों के रोगाणुरोधी गुणों तथा उनके वैज्ञानिक उपयोग पर विस्तार से चर्चा की। रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं IIC संयोजक डॉ.नवीन अवस्थी ने "विभिन्न तापमानों पर द्रव मिश्रणों के भौतिक-रासायनिक गुण" विषय पर आधारित अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि द्रव मिश्रणों के भौतिक एवं रासायनिक गुणों का अध्ययन औद्योगिक एवं वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रोजेक्ट कार्य के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित लगभग 10 शोध पत्रों की जानकारी प्रस्तुत की।

हॉर्टिकल्चर विभाग के प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार पांडे ने फलों एवं सब्जियों के उचित भंडारण एवं प्रबंधन पर आधारित अपने प्रोजेक्ट कार्य को प्रस्तुत किया। उन्होंने आधुनिक भंडारण तकनीकों, प्रसंस्करण एवं कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कॉमर्स विभाग के गोपीनाथ मौर्य ने "इटावा में ऑनलाइन शॉपिंग के प्रति उपभोक्ता व्यवहार" विषय पर आधारित अपना शोध प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। उन्होंने डिजिटल युग में उपभोक्ताओं की बदलती खरीदारी प्रवृत्तियों एवं ई-कॉमर्स के प्रभाव का विश्लेषण किया। गणित विभाग के डॉ. दिव्यांश पांडे ने "वित्तीय इष्टतम नियंत्रण समस्याओं के लिए सन्निकट विधि" विषय पर आधारित अपने शोध पत्र पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने गणितीय मॉडलिंग एवं वित्तीय समस्याओं के समाधान में सन्निकट विधियों की उपयोगिता को सरल एवं वैज्ञानिक तरीके से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने शोध विषयों पर प्रश्न पूछे तथा विभिन्न शोध कार्यों पर विचार-विमर्श किया। संगोष्ठी में कुल 47 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. मनोज यादव,लोकेंद्र प्रताप सिंह एवं सत्यम गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं IIC संयोजक डॉ. नवीन अवस्थी द्वारा किया गया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों एवं प्राध्यापकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय भविष्य में भी शोध,नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। यह संगोष्ठी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं शोधोन्मुख वातावरण प्रदान करने वाली सिद्ध हुई।

Rajesh Tripathi

Dr. Rajesh Kishor Tripathi
PRINCIPAL
Janta College, Bakewar